

एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

सेमेस्टर एक

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

MHN CC-1

प्रथम पत्र

तीन आलोचनात्मक— $3 \times 10 = 30$

चार लघुतरीय — $4 \times 5 = 20$

क्रेडिट : 5

दस वस्तुनिष्ठ — $10 \times 2 = 20$

70

भाषा व लिपि: उद्भव एवं विकास

भाषा : परिभाषा, तत्त्व / अंग, अभिलक्षण

भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा—परिवर्तन के कारण

ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

रूपविज्ञान : रूप—परिवर्तन की विविध दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण

हिन्दी भाषा का उद्भव : अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी

हिन्दी भाषा का विकास : अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक रूपा का विकास : दकनी, उर्दू और हिन्दी

19वीं सदी का हिन्दी आंदोलन और हिन्दी भाषा के स्वरूप का प्रश्न

हिन्दी का मानकीकरण

स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी

स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी

राष्ट्रभाषा हिन्दी

आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथः—

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा— भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भोलानाथ तिवारी— भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
3. बाबूरम सक्सेना— सामान्य भाषा विज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. उदयनारायण तिवारी— हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, भारतो भंडार, इलाहाबाद
5. सत्य नारायण तिवारी— हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास
6. अनंत चौधरी (सं०)— नागरी लिपि : हिन्दी और वर्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
7. रामविलास शर्मा— भारत की समस्या, राजकमल प्रकाशन
 ” ” — भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन
8. भोलानाथ तिवारी — हिन्दी भाषा
9. देवेन्द्रनाथ शर्मा— राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान
10. चंद्रधर शर्मा— पुरनी हिन्दी, काशी ना० प्र० सभा, काशी 1948
11. रामचंद्र शुक्ल — हिन्दी साहित्य का इतिहास, ना० प्र० सभा, काशी सं० 2035
12. किशोरीदास वाजपेयी— हिन्दी शब्दानुसान, ना० प्र० सभा, सं० 2033
13. नामवर सिंह— हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1932
14. सुनीति कुमार चटर्जी— भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली—1947
15. श्रीराम शर्मा— दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954
16. डॉ० शितिकंठ मिश्रा— खड़ी बाली आन्दोलन, ना० प्र० सभा, काशी, सं० 2013
17. अध्येध्याप्रसाद खत्री स्मारक ग्रंथ— (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्) पटना 1960
18. राहुल सांकृत्यायन— मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधावली)
 क. 'राहुल निबंधावली' में दिल्ली, पी.पी.एच. 1983—हिन्दी में परिभाषिक शब्दों का निर्माण
 (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिभाषा निर्माण निबंध
 ख. 'क्या करें' में प्रयाग, 1939 — ख. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबंध)
19. डॉ० धर्मवीर— हिन्दी की आत्मा, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1987
20. अमृत राय— ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.), 1991
21. किस्टोफर आर. किंग— वन लैंग्वेज, टू स्क्रिप्ट्स, दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइण्टीथ सेंचुरी नार्थ
 इंडिया, ओ.यू.पी. मुम्बई, 1994
22. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना— डॉ० वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना
23. वसुधा डालमिया— नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडीशन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एण्ड नाइनटीथ
 सेंचुरी बनारस ओ.यू.पी. दिल्ली, 1997
24. डॉ० इकबाल अहमद— दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन,
 इलाहाबाद, 1966
25. राहुल सांकृत्यायन— दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1959

26. पॉल आर. ब्रास— लग्वेज, रिलीजियन एंड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, बैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, प्रेस, 1974
27. वीर भारत तलवार— रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002
28. मीर अम्मन— बागो—बहार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 1966
29. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय— आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850—1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1998
30. डॉ० श्रीराम शर्मा: दक्खिनी हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

इतिहास और इतिहास-दृष्टि

इतिहास-दृष्टि और साहित्येतिहास दृष्टि

साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत: विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ

काल-विभाजन का आधार

साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतर्संबंध

सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक परंपरा व संदर्भ

इतिहास और आलोचना

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

अनुमोदित ग्रंथ:-

1. ई. एच. कार.-इतिहास क्या है?
2. नलिन विलोचन शर्मा- साहित्य का इतिहास दर्शन
3. हीगेल- फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा- इतिहासदर्शन
5. आर. कलिंगवुड- द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर. कलिंगवुड- हिस्टारिकल इमैजिनेशन
7. जे0 वर्कहार्ड- जजमेंट ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरियन
8. श्याम कश्यप(सं0) - हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
9. एच.बटरफील्ड- द हिंवाग इंटरप्रेटेशन ऑफ हिस्ट्री
10. बट्रेण्ड रसेल- पोरट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री
11. ऐक्टन- हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज

12. एम0सी0डी0 आर्सी- द सेंस ऑफ हिस्ट्री: सेकुलर एंड सैक्रेड
13. रामचन्द्र शुक्ल- हिन्दी साहित्य का इतिहास
14. डॉ0 नगेन्द्र (सं0)-हिन्दी साहित्य का इतिहास
15. ह0प्र0 द्विवेदी- हिन्दी साहित्य की भूमिका
” ” -हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
16. सुधोश पचौरी- उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद
17. गोपीचंद नारंग- संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र
18. मैनेजर पांडेय- साहित्य और इतिहास दृष्टि

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे? पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ, अदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतर्प्रदेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण।
- निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख निर्गुण कवि आर उनकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।
- सगुण भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य सामान्य विशेषताएँ।
- रीतिकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ— रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

अनुमोदित ग्रंथः—

1. रामचन्द्र शुक्ल— हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी— हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी— हिन्दी साहित्य : उसका उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी— हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र— हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग—एक), वाणी विज्ञान, ब्रह्मनाल, वाराणसी
6. डॉ० नगेन्द्र (सं०)— हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी— हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. नलिन विलोचन शर्मा— साहित्य का इतिहास—दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

9. बच्चन सिंह— हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय— साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. अवधेश प्रधान—हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
12. प्रो० एहतेशाम हुसैन— उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की—ए—उर्दू, ओन्ग्रू हाउस, नई दिल्ली
13. वशिष्ठ अनूप— हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास
14. डॉ० त्रिभुवन सिंह, डॉ० विजयपाल सिंह— साहित्यिक निबन्ध
15. डॉ० शंभुनाथ शुक्ल—आदिकालीन हिन्दी साहित्य
16. डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वसुदेव सिंह— कबीर—वाङ्मय : रमैनी
17. डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वसुदेव सिंह— कबीर—वाङ्मय : सबद
18. डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वसुदेव सिंह— कबीर—वाङ्मय : साखी
19. डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय— गारखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में
20. डॉ० वसुदेव सिंह— हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन
21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी— मध्ययुगीन काव्य साधना
22. डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय— बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य
23. डॉ० शिवनारायण सिंह— रीतिकालीन वीर—काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन
24. शिवकुमार मिश्र— भक्तिकाव्य और लोकजीवन
25. के. दामोदरन— भारतीय चिन्तन परंपरा
26. प्रेमशंकर— भक्तिकाव्य की भूमिका
27. विश्वनाथ त्रिपाठी— हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

आरंभिक हिन्दी कविता

चंदबरदाई— पृथ्वीराज रासो, सं० ह० प्र० द्विवेदी एवं नामवर सिंह

अब्दुर्रहमान— संदेश रासक, सं० ह० प्र० द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी

विद्यापति— विद्यापति की पदावली, सं० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कीर्तिलता, सं० वीरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अमीर खुसरो— चयनित पाठ

अनुमोदित पुस्तक सूची :-

1. पृथ्वीराज रासो, सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, सं० माताप्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कीर्तिलता और विद्यापति का युग, अवधेश प्रधान, वि०वि० प्रकाशन, वाराणसी
7. चंदबरदाई, शांता सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
8. Mithila in age of Vidyapati, Radha Krishna Chaudhar, Varanasi, 1976
9. चयनित पाठ के लिए – काव्य गोमुखी – संपादक डॉ. प्रमाद कुमार सिंह